web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 09 दिसंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 72

महत्वपूर्ण एवं खास

बारातियों को ले जा रहा ट्रैक्टर पलटा, 2 महिलाओं समेत 6 की मौत

अमरावती (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में बारातियों को ले जा रहे एक ट्रैक्टर के पलट जाने से छह लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। हादसा बीती देर रात पुथलपट्टू मंडल के लक्ष्मैया ऊरू गांव के पास हुआ। मरने वालों में ट्रैक्टर चालक, दो महिलाएं और बच्चे शमिल हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को चित्तूर, तिरुपति और वेल्लोर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बारात इराला मंडल में उसके गांव बलिजापल्ले से शुरू हुई थी और गुरुवार सुबह होने वाली शादी के लिए जेट्टीपल्ले गांव जा रही थी। हादसे में बचे लोगों ने पुलिस को बताया कि तेज गति के कारण ट्रैक्टर चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। मृतकों की पहचान सुरेंद्र रेड्डी (52), वसंतम्मा (50), रेडदम्मा (31), तेजा (25), विनिशा (3) और देशिका (2) के रूप में हुई है। घायलों में दूल्हा हेमंत कुमार भी शामिल है। उसकी शादी जेट्टीपल्ले गांव की भुवनेश्वरी से गुरुवार सुबह होनी थी। चित्तूर के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने चित्तूर के अस्पताल का दौरा किया और चिकित्सा अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया।

मनोज बाजपेयी की मां गीता देवी का 80 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली (आरएनएस)। अभिनेता मनोज बाजपेयी की मां गीता देवी का यहां एक अस्पताल में संक्षिप्त बीमारी के बाद गुरुवार सुबह 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। अभिनेता के प्रवक्ता के मुताबिक, उनकी मां की तबीयत पिछले 20 दिनों से ठीक नहीं थी। प्रवक्ता के बयान में कहा गया, गीता देवी 80 साल की थीं और वह पिछले 20 दिनों से बीमार थीं। गीता देवी का आज सुबह 8.30 बजे निधन हो गया। मैक्स पुष्पांजलि अस्पताल में उनका निधन हो गया। गीता देवी मनोज बाजपेयी की ताकत का स्तंभ थीं .. उन्हें और परिवार को ढेर सारा प्यार, शक्ति और प्रार्थनाएं भेज रहा हूं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें। मनोज के पिता आरके बाजपेयी का पिछले साल अक्टूबर में निधन हो गया था। मनोज ने अपनी अगली फिल्म बंदा की घोषणा की, जो एक कोर्ट रूम ड्रामा है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है, जो पहले एस्पिरेंट्स और सास बहू अचार प्राइवेट लिमिटेड जैसे वेब शो में काम कर चुके हैं।

ईपीएस पेंशन बढ़ाने का मुद्दा उठा राज्यसभा में

नयी दिल्ली (आरएनएस)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की पेंशन योजना- ईपीएस -95 की पेंशन बढ़ाने का मुद्दा गुरुवार को राज्यसभा में उठा और इसमें सरकार से हस्तक्षेप की मांग की गई। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के इलावरम करीम और द्रविड़ मुनेत्र कषगम एम षणमुगम ने सदन में ' सभापति की अनुमति से उठाए जाने वाले मुद्दे' के अंतर्गत ईपीएस-95 पेंशन बढ़ाने का मुद्दा उठाया। करीम ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने ईपीएस-95 पेंशन योजना में व्यवस्था दी है। सरकार को इस पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए जिससे पेंशन भोगियों को बढ़ी हुई पेंशन मिल सके। षणमुगम ने कहा कि ईपीएस पेंशन के लिए कोशियारी समिति की रिपोर्ट लागू की जानी चाहिए। इस रिपोर्ट में ईपीएस पेंशन धारियों को न्यूनतम 3000 रुपए प्रति माह पेंशन में डीए और महंगाई भत्ता जोडने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि ईपीएस पेंशन भोगी देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देते हैं इसलिए उन्हें निशुल्क चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए।

गुजरात की जनता विकास के मूलमंत्र पर प्रचंड जीत दी है : नड्डा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने गुजरात हिमाचल और दिल्ली एमसीडी चुनाव में लगे सभी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि गुजरात के रिजल्ट को देखते हुए तो आजाद भारत में गुजरात विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी को ऐसी जीत नहीं मिली है जो भारतीय जनता पार्टी को मिली है। जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि इस प्रचंड एतिहासिक जीत ने स्पष्ट कर दिया है कि जिसका नीवं नरेन्द्र मोदी ने रखा है वह है विकासवाद। विकास की कहानी है। सबका साथ सबका विकास मूलमंत्र

को लेकर प्रधानमंत्री ने गुजरात की जनता एवं देश की जनता की सेवा की है उससे गुजरात में प्रचंड जीत मिली है। जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी गरीबों , शोषितो और वंचितों के लिए नीतियों, कार्यक्रमों , उनके आंसुओं को पोछने का काम किया।,उनके घर में अच्छा षौचालय हो जाए। यह परिवर्तन लाकर दिखाया। गरीब के घर में बिजली मिले,24 घंटे। दो वक्त की रोटी मिले। विकास करने के लिए उन्हें षिक्षा की व्यवस्था हो। महिलाओं, युवाओं की चिंता और किसानों को आगे बढऩे का मौका दिया। जैसे आपने विकास में सारे रिकर्ड तोड़े वैसे ही गुजरात की जनता ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए। नड्डा ने कहा कि गुजरात में 52.5 प्रतिषत वोट मिला और 156 सीटों पर जीत हासिल किए। कांग्रेस ने पिछले चुनाव में 41.4 प्रतिषत वोट हासिल किया था जो इस बार घटकर 27.10 प्रतिषत पर आ गया।

एक तरीके से वषवाद, परिवारवाद और उनकी अकर्मण्यता आदि सब मिलाकर उनकी ऐसी स्थिति बना दिया है। एक नयी पार्टी आयी जो गुजरात का अपमान करने के लिए। उनके नेता एक पेपर लेकर आए और भविष्यवाणी करने लगे कि गुजरात में उनकी सरकार आ रही है। ऐसा गैर जिम्मेदार नेता जो जनता को गुमराह करता है। ऐसे नेता को जनता से माफी मांगनी चाहिए। जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि दूसरा रिकॉर्ड उस

नेता ने तोड़ा कि वह बोर्ड लेकर चलता है कि वह कट्टर ईमानदार है और इसी वजह से बोर्ड लेकर चलते हैं। जिनको बोर्ड लेकर चलने की जरूरत पड़ जाए तो समझ सकते है कि कितने ईमानदार है।हिमाचल प्रदेश की जनता को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने बहुत काम किए। उन्हे यह भी बताना चाहता हूं कि राज जरूर बदला किन्तु रिवाज भी बदला।पहले पार्टियां बदलती थी तो 5 प्रतिशत से ज्यादा उनकी वोट प्रतिशत गिरता था। यह ठीक है कि हमारी सरकार नहीं बनी। किन्तु हमारे वोट प्रतिषत में एक प्रतिशत से भी कम वोट गिरा है। जो लगभग 0.9 है। कार्यकर्त्ताओं को बधाई देता हूं और सरकार में आने वाली पार्टी का स्वागत करता हूं।

हिमाचल में पांच साल बाद सरकार बदलने का रिवाज इस बार भी कायम

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा की कुल 68 सीटें हैं और बहुमत के लिए 35 सीटों की आवश्यकता रहती होती है। अभी तक के चुनाव नतीजों पर नजर दौड़ाए तो कांग्रेस ने बहुमत का आंकड़ा हासिल कर दिया है । वहीं 18 सीटों पर जीत के साथ भाजपा 25 पर आगे हैं। तीन निर्दलीय चुनाव जीते हैं। नतीजों से साफ है कि पांच साल बाद सरकार बदलने का रिवाज इस बार भी कायम रहने वाला है। लेकिन, इस चुनाव में ऐसे कई कारण रहे, जिनकी वजह से कांग्रेस सत्ता वापसी की तैयारी में है।

प्रदेश के विधानसभा चुनाव में पांच साल भाजपा और पांच वर्ष कांग्रेस ही सत्ता में रही है। 1982 से 1985 के बीच कांग्रेस की सरकार रही। इसके बाद 1985 से 1990 तक फिर कांग्रेस की सरकार बनी और वीरभद्र सिंह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। 1990 से 1992 के बीच भाजपा की सरकार बनी और शांता कुमार सीएम रहे। इसके बाद 1993 से 1998 तक वीरभद्र सिंह के मुख्यमंत्रित्व में फिर कांग्रेस की सरकार बनी। 1998 से 2003 तक तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के नेतृत्व में भाजपा, 2003 से 2007 तक वीरभद्र के नेतृत्व में कांग्रेस, 2007-2012 तक फिर धूमल के नेतृत्व में भाजपा 2012-2017 तक वीरभद्र सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस और वर्तमान में 2017 से 2022 तक जयराम ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी।

हिमाचल प्रदेश के लगभग 2.25 लाख कर्मचारी तथा 1.90 लाख पेंशनर हैं। सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर कर्मचारियों ने विधानसभा का घेराव भी किया। लेकिन सीएम जयराम ने बयान दिया कि यदि पेंशन चाहिए तो चुनाव कर्मचारी भी चुनाव लड़े। इससे कर्मचारी और पेंशनर नाराज हो गए। कांग्रेस ने इस मुद्दे को भुनाते हुए सरकार बनने की स्थिति में पहली की कैबिनेट में छत्तीसगढ़ व राजस्थान की तर्ज पर हिमाचल में सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने की गारंटी दी। सोलन में हुए रैली में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने इसका एलान किया था। इसके अलावा आउटसोर्स व अस्थायी कर्मचारियों के लिए पॉलिसी नहीं बनने का मुद्दा भी अहम रहा।

इसके अलावा बेरोजगारी व महंगाई भी एक बड़ा मुद्दा रहा। कांग्रेस ने इसको भुनाते हुए एलान किया कि सत्ता में आने पर पांच साल में पांच लाख रोजगार देने और पहली कैबिनेट में एक लाख नौकरियां देने की गारंटी दी।

साइक्लोन 'मैंडूस' मचाएगा तबाही! कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, स्कूल-कॉलेज बंद

नई दिल्ली (आरएनएस)। दक्षिण भारत में मौसम अपना कहर बरपा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक आज यानी 8 दिसंबर को बंगाल की दक्षिण पूर्व खाड़ी के ऊपर गहरा दबाव एक चक्रवाती तूफान 'मैंडूस' में बदल सकता है। इससे तमिलनाडु तथा पुडुचेरी में इसके असर से मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इसी के मद्देनजर आज, 8 दिसंबर 2022 को तिरुवरूर जिले के स्कूलों और तंजावुर जिले के स्कूलों और कॉलेजों के लिए अवकाश घोषित कर दिया गया है।

आईएमडी के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र अब गहरे दबाव में बदल गया है और बुधवार को ये चेन्नई से लगभग 770 किलोमीटर दूर स्थित था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने ये जानकारी दी।

आईएमडी ने एक बुलेटिन में कहा कि गहरा दबाव चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और तमिलनाडु तथा पुडुचेरी में इसके असर से मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। ये बारिश 3 दिन तक देखने को मिल सकती है।

पंजाब मूल की रचना सिंह बनीं कनाडा में पहली दक्षिण एशियाई मंत्री

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब मूल की रचना सिंह ने कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया राज्य में पहली दक्षिण एशियाई मंत्री के तौर पर शपथ लेकर इतिहास रच दिया। वह पंजाब यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएट हैं। उन्हें शिक्षा और शिशु कल्याण मंत्री बनाया गया है। वह मो सिहोटा के बाद पोर्टफोलियो संभालने वाली दूसरी पंजाबी हैं, लेकिन इतने महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त होने वाली पहली दक्षिण एशियाई महिला हैं।

रचना सिंह ने बताया, मुझे उस सरकार का हिस्सा होने पर गर्व है जो लोगों की सुनती है और उनकी देखभाल करती है। हम सभी के लिए मुफ्त और सुलभ शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने

2017 से शिक्षा पर बहुत सारे निवेश किए हैं और आने वाले वर्षों में भी ऐसा करना जारी रखेगी। चूंकि मैं शिक्षकों के परिवार से आती हूं और अतीत में नस्लवाद विरोधी पर काम कर चुकी हूं, मेरे पास कामकाजी लोगों के बच्चों और विजिबल अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित लोगों की समस्याओं को महसूस करने की समझ है।

उनके माता-पिता पिता रघबीर सिंह और मां सुलेखा दोनों के अलावा बहन सिरजाना पेशे से शिक्षक हैं। इसलिए उनका विदेश में शिक्षा मंत्री बनना परिवार के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने पहले नस्लवाद विरोधी पहल के लिए संसदीय सचिव के रूप में ब्रिटिश कोलंबिया सरकार की सेवा की थी। 1 नवंबर को प्रांतीय विधानसभा में अपनी मूल पंजाबी भाषा में एक संक्षिप्त भाषण देने के बाद वह सुर्खियों में आ गई।

सिंह 2001 में अपने पति और ढाई साल के बेटे के साथ कनाडा चली गई थीं।

वह घरेलू दुर्व्यवहार के पीड़ितों की मदद करने के लिए रेफरल एजेंट के रूप में सूचना सेवा वैंकूवर में शामिल हुई।

बाद में वह कनाडाई यूनियन ऑफ पब्लिक एम्प्लॉइज में शामिल हो गईं और वर्तमान में सत्तारूढ़ एनडीपी से जुड़ी एक सक्रिय ट्रेड यूनियनिस्ट और राजनीतिक कार्यकर्ता बन गई।

वह पहली बार 2017 में सरे-ग्रीनटिम्बर्स से विधायक चुनी गईं और अक्टूबर 2020 में फिर से चुनी गई।

उन्होंने एक ड्रग और अल्कोहल काउंसलर, घरेलू हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं के लिए एक सहायक कार्यकर्ता और एक सामुदायिक कार्यकर्ता के रूप में काम किया है।

शिक्षक घोटाला : उत्तर पुस्तिका में गलत रोल नंबर लिखने पर भी उम्मीदवार का चयन

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में भ्रष्टाचार का एक और नया आयाम सामने आया है। 2016 में शिक्षक भर्ती परीक्षा की उत्तर पुस्तिका में अपना रोल नंबर गलत लिखने के बावजूद एक उम्मीदवार को सरकारी स्कूल में 9वीं और 10वीं कक्षा को पढ़ाने के लिए नियुक्त कर लिया गया। यह खुलासा चौंकाने वाला है, क्योंकि नियमों के मुताबिक, अगर संबंधित उम्मीदवार अपना रोल नंबर गलत लिखता है, भले ही उसने शत-प्रतिशत सही उत्तर दिया हो, फिर भी उत्तर पुस्तिका को रद्द कर दिया जाता है।

सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय के एक आदेश के बाद पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा

आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) द्वारा प्रकाशित 40 अवैध रूप से भर्ती उम्मीदवारों की नई सूची में 31वें स्थान पर एक प्राप्ति चौधरी का नाम है। जिसका वास्तविक रोल नंबर: 22211675003414 है। लेकिन उसने अपने ऑप्टिकल मार्क रिकग्निशन (ओएमआर) शीट में अपना रोल नंबर 22211675003114 लिखा था।

ओएमआर शीट में इस गलती के बावजूद, प्राप्ति चौधरी को नियुक्ति मिल गई और राज्य स्कूल शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, वह पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में गयालाल हाई स्कूल में पिछले चार वर्षों से 9वीं और 10वीं कक्षा में बंगाली शिक्षिका के रूप में कार्यरत रही।

हालांकि, राज्य के शिक्षा विभाग के सूत्रों ने कहा कि आखिरी बार प्राप्ति चौधरी 5 दिसंबर, 2022 को देर शाम स्कूल में आई थीं, जिस दिन डब्ल्यूबीएसएससी ने अवैध रूप से भर्ती किए गए 40 शिक्षकों की नई सूची अपलोड की थी। स्कूल के अधिकारियों को भी इस मामले में आगे की कार्रवाई के बारे में डब्ल्यूबीएसएससी से कोई सूचना नहीं मिली है।

डब्ल्यूबीएसएससी द्वारा इस सप्ताह प्रकाशित 40 अवैध रूप से भर्ती उम्मीदवारों की नई सूची 2 दिसंबर को आयोग द्वारा प्रकाशित 183 गलत रूप से अनुशंसित उम्मीदवारों की पिछली सूची के अतिरिक्त थी। इस सप्ताह प्रकाशित 40 अवैध रूप से भर्ती उम्मीदवारों की नई सूची आयोग द्वारा 2 दिसंबर को प्रकाशित की गई। शिक्षकों के रूप में नियुक्त होने या नियुक्ति के लिए अनुशंसित होने के बावजूद, संबंधित उम्मीदवारों ने एक मल्टीपल चॉइस सवालों का प्रयास नहीं किया और केवल कुछ प्रश्नों का ही उत्तर दिया। इन 40 स्कैन की गई ओएमआर शीट की कॉपी में से एक प्राप्ति चौधरी की थी, जिसमें उनके रोल नंबर गलत लिखने के तथ्य को उजागर किया गया था।

राज्य शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने कहा, इसमें कोई हैरानी नहीं है, न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने माना कि इस तरह की जोड़तोड़ में निश्चित रूप से आयोग के कुछ लोग भी शामिल रहे है।

पांच साल में देश में 2900 से ज्यादा सांप्रदायिक हिंसा के मामले सामने आए : केंद्र सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में पिछले पांच सालों के दौरान 2900 से ज्यादा सांप्रदायिक हिंसा के मामले सामने आए हैं। केन्द्र सरकार ने राज्यसभा में अपने जवाब में ये जानकारी दी है। हालांकि पिछले सालों के मुकाबले 2021 में इन मामलों में कमी देखी गई। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में लिखित जवाब में बताया कि साल 2017 से 2021 के बीच सांप्रदायिक या धार्मिक दंगों से जुड़े 2,908 मामले दर्ज किए गए। नित्यानंद राय ने राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि साल 2021 में सांप्रदायिक या धार्मिक दंगों के 378, 2020 में 857, 2019 में 438, 2018 में 512 और 2017 में 723 मामले दर्ज किए गए। हालांकि उन्होंने कहा कि एनसीआरबी भीड़ द्वारा हत्या के सम्बन्ध में अलग से कोई आंकड़े नहीं रखता है। नित्यानंद राय ने कहा कि चार जुलाई, 2018 को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक परामर्श

जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि इसमें राज्यों से हिंसा भडक़ाने की संभावना वाली फर्जी खबरों और अफवाहों के प्रसार पर नजर रखने, उनका प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने और कानून अपने हाथ में लेने वाले व्यक्तियों से सख्ती से निपटने के लिए कहा गया था। राय ने कहा कि इसके अलावा, 2018 में 23 जुलाई और 25 सितंबर को राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन को परामर्श जारी किए गए थे, जिसमें उनसे देश में भीड़ की हिंसा जैसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय करने के लिए कहा गया था।

बहू ने बचा ली ससुर की सीट, रिकार्डमतों से जीतीं डिंपल

मैनपुरी (आरएनएस)। देश के प्रतिष्ठित राजनीतिक घरानो में एक 'यादव परिवार' और समाजवादी पार्टी (सपा) समर्थकों के लिये गुरूवार का दिन दोहरी खुशी लेकर आया जब मैनपुरी में 'बहू' डिंपल यादव को मिली बंपर जीत के साथ चाचा शिवपाल सिंह यादव की प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) का विलय भतीजे अखिलेश यादव की अध्यक्षता वाली सपा में हो गया।

देश के 5 राज्यों की 6 विधानसभा सीटों में 2 कांग्रेस और 2 भाजपा को मिली है। यूपी की मैनपुरी लोकसभा सीट पर डिंपल यादव ने रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज की है। उन्होंने भाजपा के रघुराज शाक्य को 2 लाख 88 हजार से ज्यादा वोटों से हराया

है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ डिंपल यादव मैनपुरी लोकसभा सीट से पहली महिला सांसद बन गई हैं। सबसे ज्यादा उलटफेर आजम खान का गढ़ माने जाने वाले रामपुर में हुआ है। यहां 71 साल बाद कमल खिला है। भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना ने आजम के करीबी आसिम रजा को 25,703 वोटों से हरा दिया है। उधर, खतौली विधानसभा सीट पर सपा-रालोद गठबंधन के मदन भैया की जीत हुई है। सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने अपने ससुर और पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के कारण रिक्त हुई मैनपुरी सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्धंदी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य को दो लाख 88 हजार 461 मतों से हराया। डिंपल की इस ऐतिहासिक जीत में उनके चचिया ससुर और प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल की भूमिका महत्वपूर्ण रही वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी परिवार की प्रतिष्ठा का सवाल बनी इस सीट पर जीत के लिये जम कर पसीना बहाया। डिंपल को इस उपचुनाव में छह लाख 18 हजार 120 वोट मिले जबकि उनके प्रतिद्धंदी को तीन लाख 29 हजार 659 मत हासिल हुए।

रैगिंग रोकने के लिए असम के संस्थानों में फ्रेशर्स को अलग हॉस्टल की सुविधा

सिलचर (आरएनएस)। डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में रैगिंग के मामले के बाद, असम के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में फ्रेशर्स के उत्पीडऩ को रोकने के लिए सख्त एहतियाती कदम उठाए गए हैं, जिसमें फ्रेशर्स को अलग हॉस्टल में रखना भी शामिल है। सिलचर में असम विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वरिष्ठ छात्रों से रैगिंग नहीं करने के लिए बांड भरने के लिए कहा है।

अधिकारियों ने छात्रों को किसी भी प्रकार की रैगिंग गतिविधि में शामिल नहीं होने के लिए छात्रों से ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए कहा है। विश्वविद्यालय के प्रत्येक छात्र को फॉर्म भरना होता है और रैगिंग के खिलाफ एक बांड देना होता है।

विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि, अगर किसी भी रैगिंग मामले में शामिल होने का सबूत मिलता है तो उस छात्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सिलचर मेडिकल कॉलेज और एनआईटी सिलचर के अधिकारियों ने नए भर्ती छात्रों के लिए अलग छात्रावास की व्यवस्था की है।

सिलचर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बाबुल कुमार बेजबरुआ ने कहा कि, एहतियात के तौर पर एमबीबीएस कोर्स के नए छात्रों को कॉलेज में अलग छात्रावास में रखने की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा, नवनिर्मित पीजी छात्रावास में पीजी स्तर के प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ एमबीबीएस फ्रेशर्स को भी समायोजित किया गया है। इस छात्रावास में पूरे प्रथम वर्ष रहने के बाद, अगले वर्ष उन्हें दूसरे छात्रावास में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जहां स्नातक स्तर के वरिष्ठ छात्र रह रहे हैं।

पिछले साल सिलचर मेडिकल कॉलेज के लडक़ों के छात्रावास में रैगिंग के कारण आठ वरिष्ठ छात्रों को एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित कर दिया गया था।

मेडिकल कॉलेज के एक अधिकारी ने बताया कि, पिछले दिनों के अनुभव से पता चला है कि जब फ्रेश छात्रों को सीनियर्स के साथ एक ही हॉस्टल में रखा जाता है तो दिक्कत होती है।

इस बीच, एनआईटी सिलचर के छात्र कल्याण विभाग के डीन प्रांजीत बर्मन ने कहा कि नए छात्र एक साल तक अलग छात्रावास में रहेंगे, बाद में उन्हें वरिष्ठ छात्रों के साथ दूसरे छात्रावास में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

बर्मन ने आगे कहा कि, कैंपस में रैगिंग रोकने के लिए नए छात्रों को अलग हॉस्टल में रखने के अलावा अधिकारी पैनी नजर रख रहे हैं।